



Dictation Recoded By Rajan Nikas & Gautam Khari

साफ-सफाई एवं स्वास्थ्य के प्रति लोगों की जागरूकता

स्वास्थ्य मंत्री जी, जैसा कि कहा जाता है कि स्वच्छता और भक्ति का साथ है, इसलिए हमें कभी भी अपने परिवेश को अशुद्ध नहीं रहने देना चाहिए। इससे हमारा चरित्र और व्यवहार प्रभावित होता है। कई देशों में कचरा फेंकना या सड़क पर थूकना एक गंभीर अपराध माना जाता है, लेकिन हमारे देश में हम लगभग हर दूसरे व्यक्ति को तंबाकू खाते या अन्य चीजों को सड़क पर फेकते देखते हैं। कुछ लोग इसे राजनीतिक स्टंट या मार्केटिंग रणनीति के रूप में देख सकते हैं, लेकिन उन्होंने जो किया वह वास्तव में सराहनीय है और हमें इससे प्रेरणा लेनी चाहिए। चूंकि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वच्छता और साफ-सफाई के रखरखाव पर बहुत अधिक जोर दे रहे हैं, इसलिए पूरा देश इसके रंग में रंग गया है जहां हर घर का व्यक्ति स्वच्छता और साफ-सफाई के रखरखाव के प्रति जागरूक हो रहा है। वास्तव में स्वच्छ भारत अभियान नामक उनके अभियान ने इस इसकी सफलता को सुनिश्चित करने के लिए हर भारतीय की सक्रिय भागीदारी को आमंत्रित किया है। हालांकि ऐसा कोई भी अभियान तब तक फलदायी नहीं हो सकता जब तक कि लोगों की मानसिकता न बदले और जब तक वे स्वयं की अंतरात्मा से साफ-सफाई को सुनिश्चित करने की आवश्यकता महसूस न करें। क्योंकि यह परिवर्तन दबाव डाल कर नहीं आ सकता है और लोगों को स्वच्छता और सफाई को सुनिश्चित करने के लिए स्वेच्छा से आगे बढ़ना चाहिए। सामान्यतया लोग अपने घर को साफ रखते हैं और पार्क, सड़कों, गलियों आदि जैसे उनके परिवेश को साफ करने की बात आती है तो उनका रवैया निराशाजनक हो जाता है और फिर इसकी कोई परवाह नहीं करता है क्योंकि हर कोई सरकार और इसके अधिकारियों को अच्छी तरह से सुनिश्चित की जिम्मेदारी छोड़ना चाहता है – जिनमें सभी सड़कों, गलियों और साथ ही सार्वजनिक अवसंरचना भी है।

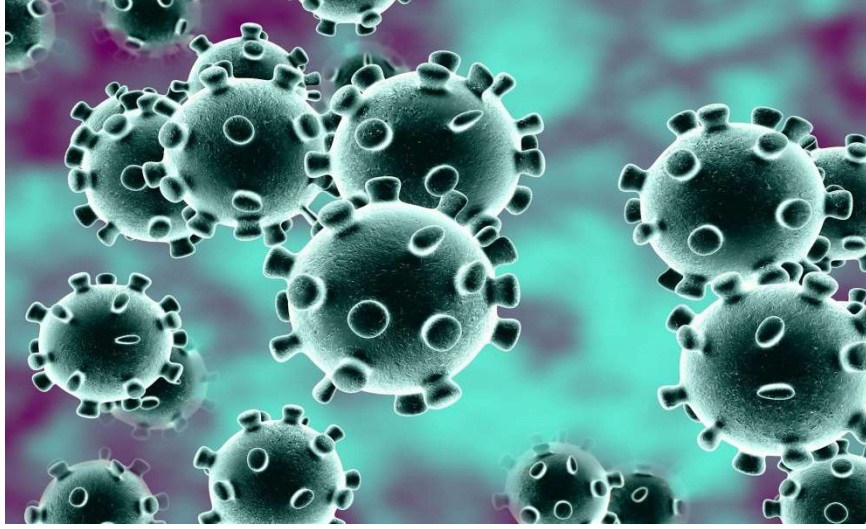
स्वास्थ्य मंत्रालय जी, भारत के लोगों को इस रवैये को बदलने की जरूरत है क्योंकि लोग खुद को बेकार कर देते हैं और अपने परिवेश को अशुद्ध करते हैं और कार्रवाई और अयोग्यता की कमी के कारण सरकार को दोष देते हैं। लोगों को इसके महत्व के बारे में जागरूक करना महत्वपूर्ण है लेकिन सबसे जरूरी इस जागरूकता को कार्यों में अनुवाद करना है। चूंकि हमारी सरकार पहले ही इस पहल को शुरू कर चुकी है, इसलिए यह निश्चित रूप से लोगों को जागरूक करेगी और उन्हें स्वच्छता और साफ-सफाई बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करेगी। इसके अलावा हमारी सरकार स्वच्छता जागरूकता के लिए एक अलग अभियान भी लॉन्च कर सकती है, ताकि इस अभियान के लिए काम कर रहे लोगों की संख्या बढ़ सके। आखिरकार ऐसी पहल केवल लोगों के 'चलता है' के रवैये को ही नहीं बदलेगी बल्कि उनकी भागीदारी का भी पता लगाएगी। वास्तव में भारत को स्वतंत्रता हासिल करने से पहले स्वच्छता और साफ-सफाई को बनाए रखने का यह अभियान बहुत लोकप्रिय था और महान हस्तियों जैसे महात्मा गांधी आदि ने लोगों के बीच





Dictation Recoded By Rajan Nikas & Gautam Khari

सकारात्मक रवैये को बढ़ावा देने के लिए अच्छी आदतें और साथ ही स्वच्छता का पालन किया। कुल शब्द 500 गति शब्द प्रति मिनट 95 WPM By Rajan Nikas and Gautam Khari



Note:- कोरोना वायरस जिसको आज भारत में ही नहीं विश्व में महामारी के तौर पर देखा जा सकता है इससे बचाव का अभी तक कोई टीका या वैकसीन अभी मौजूद नहीं है। इससे बचने के लिए आप अपने घर पर रहिए। और अगर घर से बाहर जाना भी तो निश्चित दूरी बनाये। तथा घर वापस आने पर अपने हाथो को अच्छे से साफ कीजिए। जिससे आप अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा कर सके। धन्यवाद By Team www.shorthandonline.com

